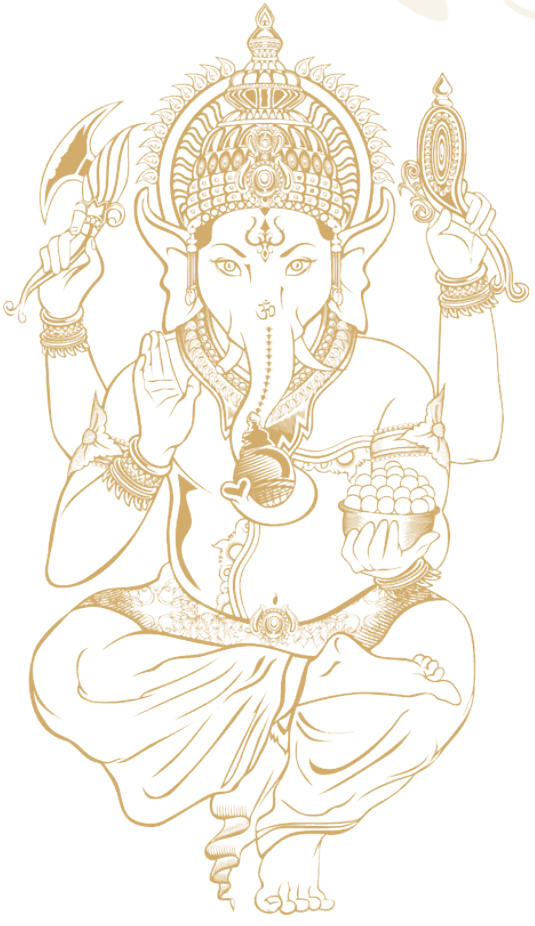

Bhumika kumari

01 Sep 1998

04:30 AM

Purnea

Model: web-freekundliweb

Order No: 121135302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31-01/09/1998**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:30:00 घंटे**
इष्ट	57:55:55 घटी
स्थान	**Purnea**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:47:00 उत्तर
रेखांश	87:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:50:04 घंटे
वेलान्तर	-00:00:26 घंटे
साम्पातिक काल	03:29:44 घंटे
सूर्योदय	05:19:37 घंटे
सूर्यास्त	18:00:35 घंटे
दिनमान	12:40:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:29:36 सिंह
लग्न के अंश	02:36:42 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	02:36:42	317:23:01	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	14:29:36	00:58:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	04:22:58	12:37:08	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			कर्क	13:18:54	00:38:14	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध			कर्क	26:20:10	01:01:52	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
गुरु	व		मीन	01:10:55	00:07:19	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	स्वराशि
शुक्र			कर्क	28:56:41	01:13:56	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	09:33:51	00:01:40	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु			सिंह	07:36:15	00:00:20	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	07:36:15	00:00:20	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:50:57	00:02:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	05:58:27	00:01:11	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:31:42	00:00:32	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	00:57:04	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:10

लग्न-चलित

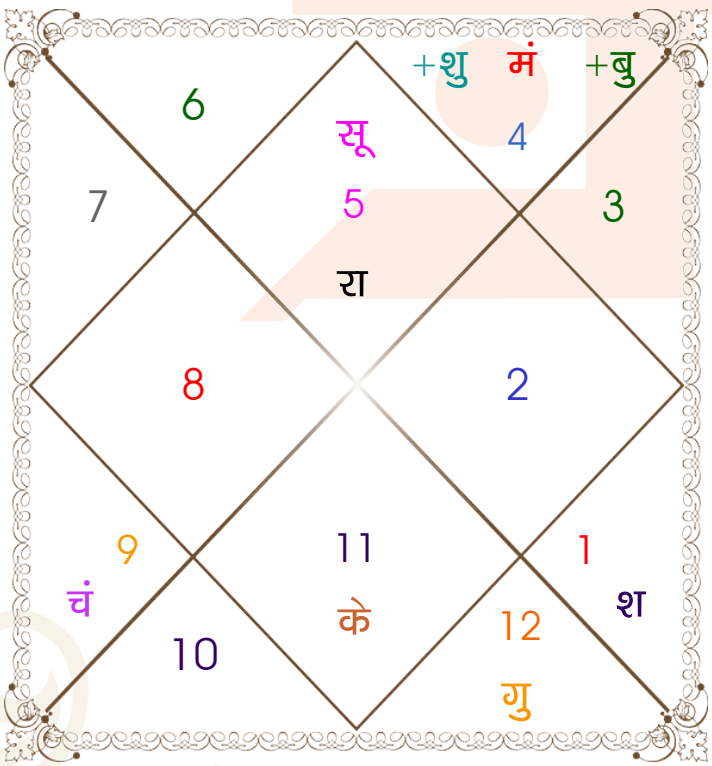

चन्द्र कुंडली

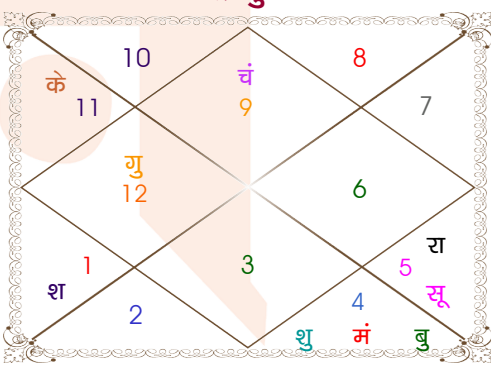

नवमांश कुंडली

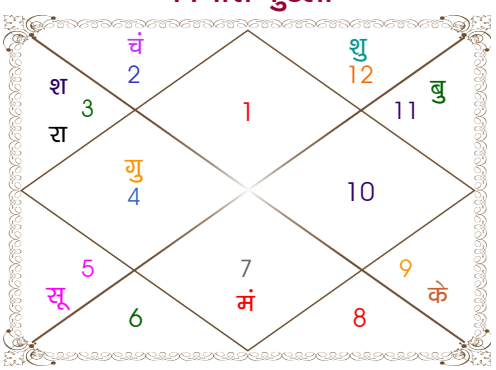

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 8 मास 11 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/09/1998		14/05/2003		14/05/2023		14/05/2029		14/05/2039	
14/05/2003		14/05/2023		14/05/2029		14/05/2039		14/05/2046	
	00/00/0000	शुक्र	13/09/2006	सूर्य	01/09/2023	चंद्र	14/03/2030	मंगल	10/10/2039
	00/00/0000	सूर्य	13/09/2007	चंद्र	01/03/2024	मंगल	13/10/2030	राहु	28/10/2040
	01/09/1998	चंद्र	14/05/2009	मंगल	07/07/2024	राहु	13/04/2032	गुरु	04/10/2041
चंद्र	15/11/1998	मंगल	14/07/2010	राहु	01/06/2025	गुरु	13/08/2033	शनि	12/11/2042
मंगल	14/04/1999	राहु	13/07/2013	गुरु	20/03/2026	शनि	14/03/2035	बुध	10/11/2043
राहु	01/05/2000	गुरु	13/03/2016	शनि	02/03/2027	बुध	13/08/2036	केतु	07/04/2044
गुरु	07/04/2001	शनि	14/05/2019	बुध	06/01/2028	केतु	14/03/2037	शुक्र	07/06/2045
शनि	17/05/2002	बुध	14/03/2022	केतु	13/05/2028	शुक्र	12/11/2038	सूर्य	13/10/2045
बुध	14/05/2003	केतु	14/05/2023	शुक्र	14/05/2029	सूर्य	14/05/2039	चंद्र	14/05/2046

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/05/2046		13/05/2064		13/05/2080		14/05/2099		14/05/2116	
13/05/2064		13/05/2080		14/05/2099		14/05/2116		00/00/0000	
राहु	24/01/2049	गुरु	01/07/2066	शनि	17/05/2083	बुध	11/10/2101	केतु	10/10/2116
गुरु	20/06/2051	शनि	12/01/2069	बुध	24/01/2086	केतु	08/10/2102	शुक्र	11/12/2117
शनि	26/04/2054	बुध	20/04/2071	केतु	05/03/2087	शुक्र	08/08/2105	सूर्य	17/04/2118
बुध	12/11/2056	केतु	26/03/2072	शुक्र	05/05/2090	सूर्य	14/06/2106	चंद्र	02/09/2118
केतु	30/11/2057	शुक्र	25/11/2074	सूर्य	17/04/2091	चंद्र	14/11/2107		00/00/0000
शुक्र	30/11/2060	सूर्य	13/09/2075	चंद्र	15/11/2092	मंगल	10/11/2108		00/00/0000
सूर्य	25/10/2061	चंद्र	12/01/2077	मंगल	25/12/2093	राहु	30/05/2111		00/00/0000
चंद्र	26/04/2063	मंगल	19/12/2077	राहु	31/10/2096	गुरु	04/09/2113		00/00/0000
मंगल	13/05/2064	राहु	13/05/2080	गुरु	14/05/2099	शनि	14/05/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 8 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न के उदय काल में मेष राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। यह जन्मकालिक संयोजन उत्तम प्रकार की आकृति स्थापित कर आपकों उत्तम प्रकार का व्यवहार कुशल प्राणी बनाया है।

आप जंगल का राजा सिंह के समान हैं। आप सभी प्रकार की स्थिति का पर्यावलोकन करने के लिए समर्थ हैं आपको प्रकृति ने सभी प्रकार के पत्ते को छाँटने के लिए स्वामित्व प्रदान किया है। अर्थात आप सभी प्रकार के कार्य का सम्पादन कर सकती हैं।

प्रकृति ने आपको साहसी आत्मविश्वासी, नेतृत्व करने के गुणों से युक्त एवं समृद्धवान बनाया है। आप अच्छी प्रकार सोच विचार कर किसी भी विषय में कार्य करें तो आप विजयी हो सकती हैं। परन्तु विषय वस्तु को भली प्रकार अर्थात् सावधानी पूर्वक अग्रसारित करें। आप अन्य लोगों पर अपनी विश्वसनीयता का पूर्ण प्रभाव प्रदर्शित करती हैं। आप मुक्त हस्त से धन का दुरूपयोग करेंगी तो सन्देह है कि आप इस प्रकार समर्थ नहीं हो सकेंगी। फलस्वरूप इस प्रकार धन का दुरूपयोग करना शोभनीय नहीं है। आप ऐसा अनुभव करें जब आप वृद्धावस्था को प्राप्त होंगी तब तक आपके बैंक का शेष क्षीण हो जाएगा और आप धन के मामले में कमजोर हो जाएंगी। अन्य तथ्य यह है कि जब आपके धन की थैली अन्य के सहयोग में खर्च हो जाएंगे तथा आप इस प्रकार उदारता बरतने की अभिलाषी रही तो आपकी आकांक्षा अधूरी रह जाएगी। अतः आप दृढ़तापूर्वक अपनी (फिजूल खर्ची) अपव्यय को नियंत्रित करना परमावश्यक है। अतः आप इस प्रवृति का परित्याग करें अन्यथा आपके जीवन के अन्त समय में धन का अभाव कष्टदायक एवं अनुभव पूर्ण रहेगा।

आपकी प्रवृति धार्मिक है। आप धर्मपारायण एवं अपने माता-पिता के प्रति निष्ठावान हैं। आपकी अभ्युक्ति सेवा भावना की रहती है तथा आप विश्वास पूर्वक मानव सेवा को भगवान की सेवा समझती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए अभावग्रस्त व्यक्तियों को निश्चित रूप से दान करना अनिवार्य है। अर्थात् आप पर्याप्त मात्रा में दान करने में सुखानुभूति करती हैं।

आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप भव्य, दीर्घकाय, चौड़े कन्धे वाली मुलायम और घने बालों वाली समय से पूर्व गंजा हो जाने वाले, वर्त्तमान काल के प्रभावशाली हुक्म चलाने वाली एवं प्रतिभा सम्पन्न दबंग महिला है। इसलिए आपके अनुकूल पद-प्रतिष्ठा हेतु प्रबन्धक भारी उद्योग/कम्पनी के उच्चाधिकारी या निगम के उच्चाधिकारी का पद उपयुक्त है। आरामदायक वस्तुओं का निर्माण करना अथवा ट्रेडिंग का कार्य करने से अच्छी आय होगी। विडियों कैमरा का कार्य व्यवसाय भी उत्तम होगा। अथवा इसके अतिरिक्त आप व्यवसायों में वित्तीय व्यवसाय बन्धक कार्य, भूमि भवन सम्बंधी क्रय-विक्रय, किराया, भूमि एवं कृषि कार्य अथवा पठन-पाठन, शैक्षणिक संस्थान का संचालन कार्य व्यवसाय भी आपके योग्य है।

सिंह लग्न/राघीय प्रभावित गुणों के आधार पर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। संयोगवश यदा-कदा ज्वर पीड़ा से आक्रान्त भी हो सकती हैं परन्तु शीघ्रतापूर्वक आरोग्य लाभ

प्राप्त कर लेंगी। क्योंकि आप के शरीर में लौह गुण (शक्ति) विद्यमान है। इसके बाद सिंह राशीय निर्देशानुसार आप हृदय रोग, पीठ के रीढ़ की हड्डी रोगादि आपके स्वास्थ्य में न्यूनता ला सकता है। परिणाम स्वरूप हृदय की धड़कन शोथ रोग तथा सिर में चक्कर आना संभाव्य है। अस्तु उत्तम तो यह होगा कि आप अधिक भोजन करना तथा अत्यधिक मद्यपान करने वाली प्रवृति का त्याग करें। यदि आप पूर्णिमा का व्रत रखें तो यह अनिष्टकारी प्रभाव से रक्षा करने में सहायक होगा। आप प्रसन्नतम एवं आनन्ददायक पारिवारिक जीवन तथा स्वस्थ सन्तान एवं समझदार पति को सुख प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 2 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है। आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।

ब्लू, सफेद एवं काला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।